भारत सरकार

संस्कृति मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 669

उत्तर देने की तारीख : गुरूवार, 05 फरवरी, 2026

16 माघ, 1947 (शक)

चोल मंदिरों का संरक्षण

669. श्री एस. कल्याणसुन्दरम:

क्या **संस्कृति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या मंत्रालय ने तंजावुर स्थित बृहदीश्वर मंदिर, जो यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल है, सहित महान प्राणवान चोल मंदिरों की संरक्षण और प्रबंधन स्थिति की समीक्षा की है;

(ख) पिछले तीन वर्षों के दौरान इन स्मारकों के जीर्णोद्धार, संरचनात्मक संरक्षण, पर्यटक सुविधाओं और डिजिटल प्रलेखन के लिए संस्वीकृत, जारी और उपयोग की गई धनराशि का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या संरक्षण योजना और कार्यान्वयन में यूनेस्को के दिशानिर्देशों और विशेषज्ञ अभिकरणों का पालन किया जा रहा है और उन्हें इन कार्यकलापों में शामिल किया जा रहा है; और

(घ) क्या तंजावुर की चोल विरासत की प्रामाणिकता का संरक्षण सुनिश्चित करते हुए, विरासत से जुड़े सांस्कृतिक कार्यक्रमों, स्थानीय कारीगरों और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसकी दृश्यता को बढ़ावा देने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

संस्कृति और पर्यटन मंत्री
(श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क): भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के अधिकार क्षेत्र में 03 चोल मंदिर हैं। इन मंदिरों का संरक्षण और परिरक्षण किया जाना, एक सतत् प्रक्रिया है और यह राष्ट्रीय संरक्षण नीति, 2014 के अधीन संसाधनों की आवश्यकता और निधियों की उपलब्धता के अनुसार किया जाता है। ये सभी मंदिर भली-भांति परिरक्षित हैं।

(ख): विगत तीन वर्षों के दौरान, इन चोल मंदिरों में जीर्णोद्धार, पर्यटक सुविधाओं का निर्माण और डिजिटल प्रलेखन सहित संरचनात्मक संरक्षण के लिए किए गए व्यय का विवरण **अनुबंध-I** में दिया गया है।

(ग): जी, हाँ। यूनेस्को के दिशा-निर्देशों और राष्ट्रीय संरक्षण नीति, 2014 का अनुपालन किया जाता है और यथा-आवश्यक विभिन्न विशेषज्ञ एजेंसियों को संरक्षण योजना और निष्पादन कार्य में शामिल किया जाता है।

(घ): संस्कृति मंत्रालय ने राजेंद्र चोल-प्रथम की जयंती मनाई और दक्षिण पूर्व एशिया में उनके समुद्री अभियान और गंगईकोंडा चोलपुरम मंदिर के निर्माण के 1000 वर्षों का स्मरण किया। यह स्मरणोत्सव 23 से 27 जुलाई, 2025 की अवधि के दौरान मनाया गया था। इस स्मरणोत्सव के दौरान, दक्षिण क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र (एसजेडसीसी) तंजावुर (संस्कृति मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त संगठन) द्वारा 23 से 27 जुलाई, 2025 तक सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया था जिसे दो दिनों अर्थात् 28 और 29 जुलाई, 2025 तक के लिए बढ़ा दिया गया था और इन कार्यक्रमों के दौरान इन चोल मंदिरों में मंदिर में बड़ी संख्या में श्रोता और पर्यटक शामिल थे।

इस समारोह में 29 अधिनमों के प्रमुखों ने भाग लिया। इसमें पूरे तमिलनाडु के 38 ओथुवरों द्वारा देवराम थिरुमुराई प्रस्तुत किया गया था। इसके बाद महान संगीतक श्री इलैयाराजा के नेतृत्व में एक संगीतमय प्रस्तुति दी गई थी।

इस समारोह में विभिन्न प्रकार के लोक कलाकारों ने अपनी कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। ओथुवरों की मंडलियों ने तमिलनाडु के चुनिंदा शिव मंदिरों से एक लुप्त होती परंपरा-देवराम थिरुमुराई का गायन किया।

अनुबंध-I

राज्य सभा में दिनांक 05.02.2026 को उत्तरार्थ अतारांकित प्रश्न संख्या 669 के भाग (ख) के उत्तर में संदर्भित अनुबंध

जीवंत महान चोल मंदिरों में जीर्णोद्धार, संरचनात्मक संरक्षण, पर्यटक सुविधाओं और डिजिटल प्रलेखन के लिए विगत तीन वर्षों के दौरान किए गए व्यय का विवरण

(राशि रुपये में)

वर्ष	**बृहदीश्वर मंदिर, तंजावुर के लिए किया गया व्यय**	**बृहदीश्वर मंदिर, गंगईकोंडा चोलापुरम के लिए किया गया व्यय**	**ऐरावतेश्वर मंदिर, दारासुरम के लिए किया गया व्यय**
2022-23	36,79,106/-	10,80,484/-	50/-
2023-24	56,92,384/-	3,59,788/-	शून्य
2024-25	7,27,207/-	11,20,000/-	22,91,566/-

*****